

सूक्ति-सरोवर

(पूर्व तट)

जिसमें 'देव', 'प्रकृति', 'अनु', 'शृङ्गार'

और 'मानव' नामक पाँच घाट हैं;

और,

प्रत्येक घाट में

हिन्दी के प्राचीन तथा अर्वाचीन कवियों

की अत्यन्त रोचक, और समस्कार-पूर्ण

उक्तियों का संग्रह और उनकी

सरल व्याख्या है।

संग्रहकर्ता और व्याख्याता-

लाला भगवानदीन

सर्वाधिकार प्रकाशक के अधीन ।

मूल्य २॥५॥